International Journal of Engineering, Management, Humanities and Social Sciences Paradigms (IJEMHS)
Volume 32, Issue 01, Quarter 01 (2020)
Publishing Month and Date: 12th January, 2020
An Indexed, Referred and Peer Reviewed Journal with Impact Factor: 2.75
ISSN (Online): 2347-601X
www.ijemhs.com

हरियाणा में 1967 से 2009 तक के विधान सभा चुनावों का अवलोकन व महिला प्रत्याशियों की स्तिथि

डा. अंजू रानी
मकान न. 614, सैक्टर 14, रोहतक

सार

हरियाणा में 1967 से अब तक नौ विधानसभा चुनाव हुए हैं। यहां पर फिलहाल 90 विधानसभा सीटें हैं जिनमें से 17 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। 1967 से 2009 तक के समय में हरियाणा के मतदाताओं की संख्या में 6652244 (66.56) प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। हरियाणा के अब तक कुल 963 विधायक निर्वाचित हुए हैं। ग्यारह विधानसभा चुनाव में कुल 67 महिलाएं विधायक निर्वाचित हुई हैं। हरियाणा विधानसभा के अब तक हुये सभी चुनावों में कोई भी अभ्यर्थी निर्विरोध नहीं चुना गया।

प्रयुक्त महत्वपूर्ण शब्दः *हरियाणा, विधान सभा, चुनाव, मत, मतदाता।*

प्रस्तावना

किसी राजनीतिक व्यवस्था के अध्ययन के लिए चुनाव प्रक्रिया का ज्ञान अति आवश्यक है, क्योंकि चुनाव प्रक्रिया से राजनीतिक व्यवस्था की प्रकृति, गतिशीलता एवं वास्तविक कार्य प्रणाली की होती है। चुनाव, प्रजातान्त्रिक प्रक्रिया का एक ऐसा साधन है, जिसके द्वारा राजनीतिकरण के माध्यम से होने गुणात्मक परिवर्तनों को आंका जा सकता है। चुनाव प्रणाली, राजनीतिक समाज में दलीय विकास का मार्ग तैयार करती है, जो जनता और शासन के बीच एक कड़ी का काम करते हैं। चुनाव द्वारा ही लागों का राजनीतिक शिक्षण होता है तथा उन्हें शासन में सहभागिता के आवसर प्राप्त होते हैं। विधान सभा चुनावों के लिए प्रत्याशियों की उम्र 25 वर्ष या इससे अधिक रखी गई है। साथ ही वह भारत का नागरिक होना चाहिए, उसको किसी मामले में अदालत द्वारा दंडित ना किया गया हो, वह दिवालिया या पागल नहीं होना चाहिए इत्यादि शर्तों को पूरा करता हो। हरियाणा में 1967 से अब तक नौ विधानसभा चुनाव हुए हैं। यहां पर फिलहाल 90 विधानसभा सीटें हैं जिनमें से 17 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं।

हरियाणा में 1967 के प्रथम आम चुनाव में कुल मतदाता 4386711 थे। चुनाव में कुल प्राप्त वैध मत 3029941 थे। इस समय प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ नहीं थी। इस चुनाव में

यहां कुल 81 सीटें थी। जिनका चुनाव परिणाम इस प्रकार रहा।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 48 स्थानों पर 1252290 (41.33) मत प्राप्त करके विजय हासिल की और भारतीय जनसंघ ने 12 स्थानों पर 436145 (14. 39) मत प्राप्त करके विजय रहे। स्वतन्त्र पार्टी 96410 (3.18) प्रतिशत मत हासिल करके 3 स्थानों पर विजय प्राप्त की जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों 998969 (32.97) प्रतिशत मत लेकर 16 स्थानों पर विजय प्राप्त की। इस प्रकार 1967 के आम चुनाव में मतदान की प्रतिशत 72.20 रहा है।

1968 का मध्यावधि चुनाव में कुल वैध मत 2541938। इस चुनाव में कुल 81 सीटें थी, जिनका चुनाव परिणाम इस प्रकार था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1114176 (43.83) प्रतिशत मत प्राप्त करके 48 स्थानों पर विजय प्राप्त की जबकि भारतीय जनसंघ 7 स्थानों पर जीत लेकर 265739 (10.45) प्रतिशत मत हासिल किए, स्वतन्त्र पार्टी ने 377744 (14.86) प्रतिशत मत हासिल करके 16 स्थानों पर विजय प्राप्त की, निर्दलीय उम्मीदवारों ने 434907 (17.11) प्रतिशत मत प्राप्त करके 6 स्थानों पर जीत हासिल की। 1968 के चुनाव में 57.20 प्रतिशत मतदान हुआ जो कि पिछले चुनाव की अपेक्षा बहुत कम रहा।

1972 का आम चुनाव में कुल जनसंख्या 7590543 थी। इस चुनाव में कुल मतदाता 51 लाख के लगभग थे और चुनाव में कुल स्थान 81 थे जिनमें कुल प्राप्त वैध मत 3494796 थे, राजनीतिक दलों के परिणाम इस प्रकार रहे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 52 स्थानों पर जीत हासिल करके 1638921 (46. 90) प्रतिशत मत प्राप्त किए, संग.का. 12 स्थानों पर विजय प्राप्त की और 377427 (10.81) प्रतिशत मत प्राप्त किए, भारतीय जनसंघ ने 2 स्थान जीत कर 234286 (6.73) प्रतिशत वि.ह.पा. ने 3 स्थानों पर 242444 (6.95) प्रतिशत जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों ने 824095 (23.54) प्रतिशत मत हासिल करके 11 स्थानों पर विजय प्राप्त की और मतदान का प्रतिशत 57.20 से बढ़कर 70.50 प्रतिशत रहा।

1977 के आम चुनाव के कुल 100336808 जनसंख्या हो गई थी। इस प्रकार में 16.65 प्रतिशत नये मतदाताओं के भाग लेने के बाद भी मतदान का प्रतिशत 64.50 रहा। पिछले चुनावों से यह 6 प्रतिशत कम है। इस चुनाव में कुल वैध मत 37805959 थे। इस चुनाव की यह विशेषता थी कि 81 विधानसभा सीटों को बढ़ाकर 90 सीटें कर दी गई और जनता पार्टी ने (46.7) प्रतिशत वोट प्राप्त करके 75 सीटों पर विजय प्राप्त की, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने (17.2) प्रतिशत वोट लेकर 3 स्थानों पर वि.ह.पा. ने (6.0) प्रतिशत वोटों से 5 स्थानों पर विजय प्राप्त की जबकि निर्दलीय उम्मीदवार (28.6) प्रतिशत वोट लेकर 7 सीटों पर विजय रहे। इस चुनाव में कांग्रेस का एकदम सफाया हो गया था।

International Journal of Engineering, Management, Humanities and Social Sciences Paradigms (IJEMHS)
Volume 32, Issue 01, Quarter 01 (2020)
Publishing Month and Date: 12th January, 2020
An Indexed, Referred and Peer Reviewed Journal with Impact Factor: 2.75
ISSN (Online): 2347-601X
www.ijemhs.com

1982 के आम चुनाव में 20.43 प्रतिशत वृद्धि से 7150000 कुल मतदाताओं की संख्या 7150000 पहुंच गयी थी किन्तु मतदान में वृद्धि 5 प्रतिशत होने से कुल 69.90 प्रतिशत मतदान हुआ था और कुल वैध मत 4910344 थे। इस प्रकार राजनैतिक दलों द्वारा प्राप्त मत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 1845297 (37.60) प्रतिशत मत लेकर 36 स्थानों पर विजय रही, भाजपा जनता पार्टी 376604 (7.79) प्रतिशत से 6 स्थानों पर जबकि लोकदल (23.90) प्रतिशत मतों से 31 स्थानों पर, भा. कम्यू पार्टी (0.75) प्रतिशत लेकर 3 स्थानों पर विजय हासिल की जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों ने (26.55) प्रतिशत वोट लेकर 14 स्थानों पर विजय प्राप्त की।

1987 के आम चुनाव में 9429563 कुल मतदाता थे जिनमें से कुल वैध मत 6089130 थे। इस चुनाव के परिणामों की सबसे ध्यान रखने योग्य बात यह है कि पिछले चुनावों में लोकदल को 23.9 प्रतिशत मत मिलने से 31 स्थानों पर विजय मिली थी किन्तु कांग्रेस ई. को 29.18 प्रतिशत मत मिलने के बाद भी कुल पांच ही स्थानों पर विजय मिली एवं 8 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई, लोकदल ने (38.88) प्रतिशत से 59 स्थानों पर विजय, भाजपा जनता पार्टी ने (10.53) प्रतिशत मतों से 16 स्थानों पर जबकि निर्दलीय उम्मीदवार (17.75) प्रतिशत वोट लेकर 6 स्थानों पर विजय हासिल की।

1991 के विधानसभ चुनाव में कुल 9725897 मतदाता थे। इनमें से कुल वैध मत 6408028 (65.91) प्रतिशत मतदान हुआ और चुनाव परिणाम देखें तो कांग्रेस पार्टी ने 51 स्थानों पर भाजपा 2, सजपा ने 17 स्थानों पर विजय हासिल की जबकि हविता ने 12, जनता दल 3, और निर्दलीय 5 स्थानों पर विजय प्राप्त की पिछले आम चुनाव में मात खाने वाली कांग्रेस पार्टी ने इस चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें प्राप्त की।

1996 में यह आठवीं विधानसभा के लिए चुनाव हुआ। इस चुनाव में प्रदेश के कुल 11155242 मतदाता थे। इस चुनाव में चुनाव लड़ने वाले कुल उम्मीदवार की संख्या 2608 थी इनमें से 2381 (91.29) प्रतिशत अभ्यार्थियों की जमानत जब्त हुई। इस चुनाव में कुल 15448 मतदान केन्द्र स्थापित किए गये थे और पोलिंग अभिकर्ताओं की संख्या 105539 थी जबकि गणना अभिकर्ताओं की संख्या 14638 थी। इस चुनाव में 7868982 (70.58) प्रतिशत मतदान हुआ। इन प्राप्त मतों में से पुरूषों ने जो मत डाले 4335696 (38. 30) प्रतिशत मतदान किया जबकि महिलाओं द्वारा डाले गए मतों की संख्या 3533286 (32.28) प्रतिशत मतदान किया प्राप्त वैध मतों की संख्या 7575696 थी। इस चुनाव में 15 राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया। इस चुनाव में भाजपा को कुल 672556 (8. 88) प्रतिशत मत लेकर 11 स्थानों पर विजय हासिल की, समता पार्टी ने 1557914 (20.57) प्रतिशत वोट लेकर

24 स्थानों पर विजय दर्ज की, जबकि हविपा ने सबसे ज्यादा 1716572 (22. 66) प्रतिशत मत लेकर 33 स्थानों विजय हासिल की, कांग्रेस तिवारी ने 242638 (3.20) प्रतिशत मतों से 3 स्थानों पर और निर्दलीय उम्मीदवार 1213742 (16.02) प्रतिशत वोट लेकर 10 सीटों पर विजय प्राप्त रहे। इस चुनाव में महिला प्रत्याशियों की कुल संख्या 34 थी। इनमें से चुनाव जीतने वाली केवल 5 महिलाएं थी।

2000 में नौवीं विधानसभा के लिए चुनाव हुआ। इस चुनाव में कुल मतदाताओं की संख्या 11153263 थी। इस चुनाव में चुनाव लड़ने वाले कुल उम्मीदवार 965 थे और 15451 मतदान केन्द्र तथा पोलिंग अभिकर्ताओं की संख्या 98649 थी जबकि गणना अभिकर्ताओं की संख्या 10556 थी। नौवीं विधानसभा में कुल प्राप्त मत 7696396 थे। इन प्राप्त मतों में पुरूषों ने 4254409 मत डाले जबकि महिलाओं ने 3441987 मतदान किया। इस चुनाव में कुल वैध मतों की संख्या 7652569 थी और 28 राजनैतिक दलों ने हिस्सा लिया। इसी प्रकार कांग्रेस ने 2388950 (31.25) प्रतिशत मत लेकर स्थानों पर विजय प्राप्त की, भाजपा ने 684283 (8. 95) प्रतिशत वोट लेकर 6 स्थानों पर और इनेलो पाटी ने 2266131 (29.64) प्रतिशत वोट लेकर 47 स्थानों पर विजय हासिल की, हविपा पार्टी ने 424556 (5.55) प्रतिशत वोट लेकर 2 स्थानों पर जो पिछले चुनाव की अपेक्षा बहुत कत है, बसपा व रिपब्लिक पार्टी ने एक–एक स्थान और अन्य पार्टियों ने 31874 (0.38) प्रतिशत वोट प्राप्त किए जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों ने 1293574 (16.9) प्रतिशत वोट प्राप्त करके 11 सीटों पर विजय हासिल। इस चुनाव में महिला प्रत्याशियों की कुल संख्या 36 थी इनमें से चुनाव जीतने वाली केवल 4 महिलाएं थी।

2005 में दसवीं विधानसभा के लिए चुनाव हुआ। इस चुनाव में कुल मतदाताओं की संख्या 12735888 थी। इस चुनाव में चुनाव लड़ने वाले कुल उम्मीदवार 983 थे और 12636 मतदान केन्द्र तथा पोलिंग अभिकर्ताओं की संख्या 98649 थी। दसवीं विधानसभा में कुल प्राप्त मत 9152298 थे। इन प्राप्त मतों में पुरूषों ने 5055809 मत डाले जबकि महिलाओं ने 4096489 मतदान किया। इस चुनाव में कुल वैध मतों की संख्या 9164625 थी और 28 राजनैतिक दलों ने हिस्सा लिया। इसी प्रकार कांग्रेस ने 3889125 (42.46) प्रतिशत मत लेकर 67 स्थानों पर विजय प्राप्त की, भाजपा ने 949176 (10.36) प्रतिशत वोट लेकर 2 स्थानों पर और इनेलो पाटी ने 2452488 (26.77) प्रतिशत वोट लेकर 9 स्थानों पर विजय हासिल की। बसपा व एन0सी0पी ने एक–एक स्थान और अन्य पार्टियों ने 171574 (1.87) प्रतिशत वोट प्राप्त किए जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों ने 1255209 (13. 70) प्रतिशत वोट प्राप्त करके 10 सीटों पर विजय हासिल। इस चुनाव में महिला प्रत्याशियों की कुल संख्या 60

थी इनमें से चुनाव जीतने वाली केवल 11 महिलाएं थी।

2009 में ग्यारहवीं विधानसभा के लिए चुनाव हुआ। इस चुनाव में कुल मतदाताओं की संख्या 13117142 थी। इस चुनाव में चुनाव लड़ने वाले कुल उम्मीदवार 1222 थे और 13524 मतदान केन्द्र थे। ग्यारहवीं विधानसभा में कुल प्राप्त मत 9481923 थे। इन प्राप्त मतों में पुरूषों ने 5238701 मत डाले जबकि महिलाओं ने 4243222 मतदान किया। इस चुनाव में कुल वैध मतों की संख्या 9490092 थी और 49 राजनैतिक दलों ने हिस्सा लिया। इसी प्रकार कांग्रेस ने 3329587 (35.08) प्रतिशत मत लेकर 40 स्थानों पर विजय प्राप्त की, भाजपा ने 857831 (9. 04) प्रतिशत वोट लेकर 4 स्थानों पर और इनेलो पाटी ने 2447147 (25.79) प्रतिशत वोट लेकर 31 स्थानों पर विजय हासिल की। जबकि कुलदीप बिश्नोई द्वारा नई स्थपित पार्टी हरियाणा जनहित कांग्रेस पार्टी ने 702659 (7.40) प्रतिशत वोट लेकर 6 स्थानों पर विजय हासिल की। बसपा व शिरोमणि दल ने एक–एक स्थान और अन्य पार्टियों ने 86613 (0.91) प्रतिशत वोट प्राप्त किए जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों ने 1249192 (13.16) प्रतिशत वोट प्राप्त करके 7 सीटों पर विजय हासिल। इस चुनाव में महिला प्रत्याशियों की कुल संख्या 69 थी इनमें से चुनाव जीतने वाली केवल 9 महिलाएं थी।

निष्कर्ष

1967 से 2009 तक के समय में हरियाणा के मतदाताओं की संख्या में 6652244 (66.56) प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। हरियाणा के अब तक कुल 963 विधायक निर्वाचित हुए हैं। ग्यारह विधानसभा चुनाव में कुल 67 महिलाएं विधायक निर्वाचित हुई हैं। हरियाणा विधानसभा के अब तक हुये सभी चुनावों में कोई भी अभ्यर्थी निर्विरोध नहीं चुना गया।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1 स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट ऑफ द् जलरल इलैक्शन इन हरियाणा, इलैक्शन कमीशन ऑफ हरियाणा – 1967, 1968, 1972, 1977, 1982, 1987, 1991, 2000, 2005, 2009

2 सैन्सस ऑफ इंडिया, 2001

3 गहलोत, एन0 सी, इलैक्शन एंट इलैक्टोरल एडमिनिस्टेशन इन इंडिया, दिल्ली : दीप एंड दीप पब्लिकेशन

4 राना, एम0 एस, इंडिया वोट्स, लोक सभा एंड विधान सभा इलैक्शन्स, दिल्लीः बी0 आर0 पब्लिकेशन्स्